जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, स्पेन की महिला फुटबॉल टीम सर्वश्रेष्ठ टीम बनी

लॉरियस अवॉर्ड

मैड्रिड, एजेंसी। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। समारोह के दौरान स्पेनिश फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। 12 साल बाद फिर से यहां होना गर्व की बात है।

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुई स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी।

स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी।

उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी। लेकिन कुल मिलाकर यह एक तरह का मज़ा है। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के अनुसार, स्वीयाटेक पहली बार विश्व नंबर 1 पर पहुंचने के 749 दिन बाद मील के पत्थर तक पहुंच जाएंगी- ग्राफ, एवर्ट और सेलेस के बाद 100 सप्ताह तक पहुंचने वाली चौथी सबसे तेज खिलाड़ी।

स्पेन की राजधानी में पहुंचकर, स्वीयाटेक विश्व नंबर 1 के रूप में अपना 100वां सप्ताह मना रही है। पिछले साल मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद, वह चीन की वांग ज़ियू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

मार्कस स्टोइनिस ने रचा इतिहास

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

डि कॉक और केएल राहुल के आउट होने के बाद मार्कस स्टॉइनिस ने संभाला मोर्चा

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली क्विंटन डि कॉक (0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले युगांडा के मुख्य कोच बने अभय शर्मा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने तीन साल के अनुबंध पर भारत के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अभय शर्मा को अपनी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अभय शर्मा के पास खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अपने कार्यकाल के अलावा, उन्होंने पहले भारत ए और भारत अंडर-19 के लिए फील्डिंग कोच के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे हालिया कोचिंग भूमिका दिल्ली रणजी टीम के साथ थी। अपनी नियुक्ति पर 54 वर्षीय अभय शर्मा ने कहा, प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के समूह के साथ काम करने के इस अवसर के लिए मैं यूसीए का बहुत आभारी हूं। युगांडा में केवल कुछ दिनों के लिए रहने के बाद, यह पहले से ही मेरे दूसरे घर जैसा लगता है। मैं यहां टीम की आकांक्षाओं में योगदान देने के लिए हूं, जिसमें आगामी विश्व कप में दुनिया की शीर्ष टीमों को हराना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, मैं इस उभरती हुई टीम और युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने पर पूरा फोकस करूंगा।

युगांडा क्रिकेट ने पिछले 12 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र और खामियां हैं, जिन्हें सही करना होगा। लेकिन, हमने फिर भी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया है। अब सोचिए अगर हम अपनी कमियों को दूर कर लें तो नतीजे कितने बेहतर हो सकते हैं। यूसीए ने हमें पूरा समर्थन देने का वादा किया है और मैं टीम के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हूं।

शिवम दुबे ने तोड़ डाला धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं।

पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से 37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं।

वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है। यहां तक कि किसी ने 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1000 रन नहीं बनाए हैं। धोनी का स्ट्राइक रेट 138.98 का है, जबकि सुरेश रैना ने 138.91 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन पूरे किए थे।

लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी में टीम के मालिक पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने अदालत को सूचित किया है कि लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में खेलने वाली सात टीमों में से एक कैंडी सैंप आर्मी के मालिक योनी पटेल पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है।

अटॉर्नी जनरल का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील ने सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि योनी पटेल पर कोलंबो हाई कोर्ट में अपराध का आरोप लगाया गया है। उन पर श्रीलंका में सेंट्रल हिल्स के पल्लेकेले में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय सितारों की भागीदारी के साथ खेली गई लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी के दौरान एक क्रिकेटर पर फिक्सिंग में शामिल होने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया है। जांच श्रीलंका के सेवानिवृत्त राष्ट्रीय क्रिकेटर उपुल थरंगा की शिकायत पर शुरू की गई, जो खुद पटेल के स्वामित्व वाली टीम के खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के पूर्व सफेद गेंद कप्तान और क्रिकेट चयन समिति के वर्तमान अध्यक्ष थरंगा ने पंजाब रॉयल्स के लिए खेलने वाले न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर नील ब्रूम के साथ मैच फिक्सिंग की शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि उनसे दो व्यक्तियों ने संपर्क किया जिन्होंने खुद को कैंडी सैम्प टीम का मालिक और पंजाब रॉयल्स मैनेजर बताया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कथित मैच फिक्सरों में से एक ने खराब प्रदर्शन करने और मैच के नतीजों को फिक्स करने के लिए खिलाड़ियों से पैसे की पेशकश की थी। इसके बाद थरंगा ने तुरंत खेल से संबंधित भ्रष्टाचार को रोकने के लिए गठित श्रीलंका खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई को शिकायत की, जबकि ब्रूम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट और बाद में आईसीसी को रिपोर्ट की। एसआईयू की जांच में पता चला कि टीम मैनेजर ने ब्रूम को अपने कमरे में बुलाया और 10 से अधिक गेंदों का सामना करने के बाद 10 से कम रन बनाने के लिए कहा था।

टीम इंडिया की रेस...

शिवम दुबे की 51.83 की औसत वाली बल्लेबाजी पर भारी हार्दिक का स्पेशल 4 !

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएलः 2024 का आधा सफर पूरा हो चुका है, इस आधे सफर के बाद कई भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की बदौलत जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का सपना बुन रहे हैं. दो भारतीय खिलाडियों को लेकर सबसे ज्यादा हाइप क्रिएट हो रही है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं.

ये दो ऑलराउंडर हैं शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या. इन दोनों ही खिलाडियों के वर्ल्ड कप में जाने को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय भी रख रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आईपीएल के आधे सफर के बाद दुबे या पंड्या में किसका पलड़ा भारी है. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं. वहीं, हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की कमान संभाल रहे हैं. अब आंकड़ों के लिहाज से समझ लेते हैं दुबे और पंड्या में किसका आईपीएल 2024 में दबदबा रहा है. शिवम दुबे ने अब तक 8 आईपीएल मैचों में कुल 311 रन बनाए हैं.

इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 66 नॉट आउट रहा है. उनका एवरेज 51.83 और स्ट्राइक रेट 169.95 का है. दुबे अब तक (23 अप्रैल) तक 22 छक्के जड़ चुके हैं, वो अपनी बिग हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं. दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं. पंड्या ने भी मौजूदा आईपीएल में अब तक दुबे के ही बराबर 8 मैच खेले हैं, पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया है. पंड्या ने 8 मैचों में महज 151 रन 21.57 के एवरेज से बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 142.45 का है. हालांकि हार्दिक पंड्या के साथ एक ही एडवांटेज है, जिसमें वो शिवम दुबे से आगे दिखते हैं.